परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था

कक्षा: 6

विषय: हिन्दी

पाठ-8: ऐसे-ऐसे (विष्णु प्रभाकर)

<u>कार्यपत्र (Worksheet)</u>

---

1. उचित विकल्प चुनिए:

(i) माँ मास्टर जी को मोहन की कौनसी बीमारी के बारे में बताती है?

(क) टीवी (ख) कैंसर (ग) ऐसे-ऐसे (घ) सिरदर्द

(ii) कौन समझ जाता है कि मोहन बहानेबाजी कर रहा है?

(क) माँ (ख) पिता (ग) दादा (घ) मास्टर

(iii) मास्टर जी मोहन को कितने दिन की छुट्टी देकर स्कूल का काम पूरा करने को कहते हैं?

(क) चार (ख) दो (ग) पाँच (घ) एक

(iv) दावा की शीशी किसके हाथ से गिर जाती है?

(क) पड़ोसी (ख) वैद्य (ग) माँ (घ) पिता

(v) किसने कहाँ कि मेरे पास ऐसे-ऐसे की दवा है?

(क) पिता ने (ख) वैद्य ने (ग) मास्टर ने (घ) डॉक्टर ने

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) मोहन का स्कूल का काम कैसे रह गया?

(ii) मोहन बहानेबाज़ी क्यों कर रहा था?

(iii) ऐसे-ऐसे नाम की बीमारी बच्चों को क्यों होती है?

(iv) मोहन की माँ की चिंता का क्या कारण था?

(v) मास्टर जी ने मोहन की बीमारी को कैसे पहचाना?

3. निम्नलिखित अपठित गदयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

3 दिसंबर 1984 को भोपाल में एक फैक्ट्री से मिथाइल आइसो साइनेट नामक एक बेहद जहरीली एवं जानलेवा गैस रिसकर हवा में

मिल गई। इस गैस का रिसाव इतनी जल्दी हुआ कि फैक्ट्री के आस-पास रहने वाले लोग भाग भी न सके। वैसे भी यह रात के समय हुआ था। इस जहरीली गैस की मात्रा इतनी अधिक थी कि लोगों को उसी समय साँस लेने में परेशानी होने लगी।लोगों ने वहाँ से भागना चाहा पर वे भाग न सके और असमय मौत का शिकार बन गए। लाखों लोग श्वसन तंत्र की बीमारियों का शिकार बन गए और बाद में भी की लोग मर गए। यहाँ तक कि उस समय के बाद कुछ सालों तक अपंग बच्चे पैदा हुए या उन्हें श्वास संबंधी कोई रोग था। पेड़ -पौधों के पत्ते काले होते गए और वे नष्ट हो गए। आज इतने सालों बाद भी लोग इन बिमारियों का परिणाम भुगत रहे हैं।

(i) लोग किस प्रकार की बीमारी के शिकार हो गए?

(ii) 1984 भोपाल की फैक्ट्री में कौन-सी दुर्घटना घटी?

(iii) लोग चाहकर भी क्यों न भाग सके?

(iv) प्रथम पंक्ति में 'गैस' के लिए प्रयुक्त एक विशेषण लिखिए।

(v) गदयांश का समुचित शीर्षक लिखिए।